Srijan India One | PIB Today | 27th July 2026

1 सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026

- सार्वजनिक परीक्षाओं की शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा।
- संगठित नकल गिरोहों पर कठोर कार्रवाई का प्रावधान।
- जांच, अभियोजन और दंड प्रावधान और मजबूत होंगे।
- प्रतियोगी परीक्षाओं में समान अवसर और निष्पक्षता की रक्षा।
- डिजिटल एवं तकनीकी दुरूपयोग पर प्रभावी नियंत्रण।
- युवाओं के भविष्य और विश्वास की सुरक्षा।

मूल्य संवर्धन: अनुच्छेद 14 और 16 के उद्देश्यों को सशक्त बनाता है।

कीवर्ड्स: निष्पक्षता, पारदर्शिता, जवाबदेही, समान अवसर, अखंडता

नकल नेटवर्क पर रोक → कठोर कानून व जांच → निष्पक्ष परीक्षा → उचित परिणाम

2 राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (NeVA)

- विधायिकाओं को पेपरलेस और डिजिटल बनाना उद्देश्य।
- ई-नोटिस, ई-बिल, ऑनलाइन प्रश्न, डिजिटल दस्तावेज प्रबंधन।
- समिति प्रबंधन और रीयल-टाइम कार्यवाही।
- अधिक राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने इसके लिए MoU पर हस्ताक्षर किए।
- पारदर्शिता, दक्षता और सुशासन को बढ़ावा।
- डिजिटल इंडिया की महत्वपूर्ण पहल।

मूल्य संवर्धन: विधायी कार्यों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और समयबद्धता बढ़ती है।

कीवर्ड्स: ई-गवर्नेंस, पेपरलेस विधानसभा, डिजिटल लोकतंत्र, NeVA, DPI

विधायी कार्य डिजिटाइज → पेपरलेस प्रोसेसिंग → दक्ष & पारदर्शी विधानमंडल

3 भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs)

- भारत ने पेरिस समझौते के अंतर्गत अपडेटेड NDCs प्रस्तुत किए।
- GDP की उत्सर्जन तीव्रता कम करना।
- गैर-जीवाश्म स्रोतों से बिजली क्षमता बढ़ाना।
- 2.5 से 3 अरब टन CO_2 के अतिरिक्त कार्बन सिंक का सृजन।
- 2070 तक नेट ज़ीरो लक्ष्य प्राप्त करना।
- पंचामृत प्रतिबद्धताओं के अनुरूप।

मूल्य संवर्धन: जलवायु उत्तरदायी विकास और सतत भविष्य के लिए भारत की प्रतिबद्धता।

कीवर्ड्स: NDCs, पेरिस समझौता, नेट ज़ीरो 2070, पंचामृत, जलवायु कार्रवाई, कार्बन सिंक

उत्सर्जन में कमी → नवीकरणीय क्षमता का विस्तार → अतिरिक्त कार्बन सिंक → नेट ज़ीरो 2070

4 ग्रिड स्थिरता और ऊर्जा भंडारण

- नवीकरणीय ऊर्जा प्रकृति से असतत होती है।
- बैटरी स्टोरेज से ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित होती है।
- प्रमुख तकनीक: BESS, पंप्ड स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन, थर्मल स्टोरेज।
- पीक मांग प्रबंधन और बैकअप में सहायक।
- ऊर्जा सुरक्षा और आयात निर्भरता में कमी।
- भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की कुंजी।

मूल्य संवर्धन: विश्वसनीय और 24x7 स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यावश्यक।

कीवर्ड्स: BESS, ऊर्जा भंडारण, ग्रिड स्थिरता, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा संक्रमण

अंतराल वाली नवीकरणीय ऊर्जा → ऊर्जा भंडारण प्रणालियों → स्थिर & विश्वसनीय बिजली आपूर्ति

5 कोयला गैसीकरण और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों

- कोयले को संश्लेषित गैस (Syngas) में परिवर्तित किया जाता है ($CO + H_2$)।
- उत्पाद: हाइड्रोजन, मेथानॉल, उर्वरक, रसायन।
- परेलू कोयले का बेहतर उपयोग और मूल्य संवर्धन।
- आयात पर निर्भरता कम होती है।
- सीधा दहन की तुलना में अपेक्षाकृत स्वच्छ तकनीक।

मूल्य संवर्धन: ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक आत्मनिर्भरता और आर्थिक मूल्य वृद्धि को बढ़ावा।

कीवर्ड्स: गैसीकरण, सिंगैस, हाइड्रोजन, मेथानॉल, स्वच्छ कोयला, ऊर्जा परिवर्तन

कोयला → गैसीकरण → सिंगैस → विविध उत्पाद (मूल्य संवर्धन)

6 डिजिटल इंडिया भाषिणी (Bhashini) पहल

- AI आधारित बहुभाषी भाषा प्लेटफार्म।
- रीयल-टाइम अनुवाद और भाषण पहचान (Speech Recognition)।
- स्थनीय भाषा आधारित शासन को बढ़ावा।
- डिजिटल समावेशन और सुगम प्रशासन में सहायक।
- विधायी शासन हेतु बहुभाषी क्षमता विकसित करने पर कार्यशाला।
- भारत की भाषा विविधता को तकनीक से जोड़ना।

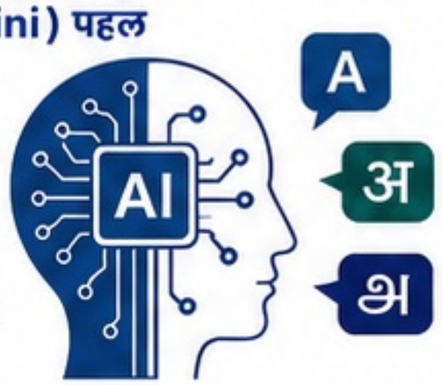

मूल्य संवर्धन: डिजिटल गवर्नेंस में समावेशिता, पहुंच और दक्षता बढ़ती है।

कीवर्ड्स: BHASHINI, AI, NLP, बहुभाषी, डिजिटल गवर्नेंस, DPI

भाषा प्रौद्योगिकी (AI) → रीयल-टाइम अनुवाद और समावेशन → सुलभ डिजिटल शासन

7 PM ई-विद्या और डिजिटल लर्निंग विस्तार

- सार्वभौमिक और समावेशी डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा।
- घटक: DIKSHA, One Class One Channel, डिजिटल पाठ्यपुस्तकें।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संसाधन सभी के लिए उपलब्ध।
- सीखने के परिणामों में सुधार।
- सीखने के अंतर (Learning Gap) को कम करने में सहायक।

मूल्य संवर्धन: गुणवत्ता, समानता और डिजिटल पहुंच के माध्यम से शिक्षा सुधार।

कीवर्ड्स: PM e-VIDYA, DIKSHA, डिजिटल शिक्षा, समानता, समावेशन, गुणवत्ता

डिजिटल संसाधन → कहीं भी सीखने की सुविधा → गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सभी के लिए

8 PM स्वनिधि और शहरी आजीविका

- स्ट्रीट वेंडर्स के लिए माइक्रो-क्रेडिट योजना।
- बिना जमानत ऋण उपलब्ध।
- डिजिटल भुगतान पर प्रोत्साहन।
- क्रेडिट इतिहास निर्माण।
- वित्तीय समावेशन और आजीविका सुरक्षा।
- अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना।

मूल्य संवर्धन: आत्मनिर्भर भारत के लिए शहरी गरीबों को आर्थिक सशक्तकरण।

कीवर्ड्स: PM स्वनिधि, माइक्रो-क्रेडिट, वित्तीय समावेशन, स्ट्रीट वेंडर्स, आजीविका सुरक्षा

ऋण सहायता → डिजिटल भुगतान → क्रेडिट इतिहास → आजीविका सशक्तिकरण

9 एक खेलराष्ट्र के निर्माण की दिशा में भारत

- खेल राष्ट्रीय क्षमता और मानव विकास क महत्वपूर्ण घटक।
- पहल: खेलो इंडिया, फिट इंडिया, TOPS, SAI, NSUI
- जमीनी स्तर पर प्रतिभा पहचान और प्रशिक्षण।
- खेल अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा।
- खेल विज्ञान, कोचिंग, पोषण और अवसंरचना पर जोर।

मूल्य संवर्धन: स्वस्थ, सशक्त और एकजुट भारत के निर्माण में खेल की भूमिका।

कीवर्ड्स: खेलो इंडिया, TOPS, SAI, खेल अर्थव्यवस्था, जमीनी विकास, खेल विज्ञान

जमीनी विकास → प्रतिभा & अवसंरचना → वैश्विक खेल श्रेष्ठता

अन्य महत्वपूर्ण वन-लाइनर

- विश्व हेपेटाइटिस दिवस (28 जुलाई): जागरूकता, स्क्रीनिंग और उपचार के लिए राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (NVHCP) सक्रिय।
- केंद्रीय विश्वविद्यालय अवसंरचना मजबूत करने और डिजिटल पहल के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं।
- खान मंत्रालय सेक्रि केशव चंद IAS को सचिव के रूप में अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।
- लोकतांत्रिक तनवा के बीच न्यायपालिका की जवाबदेही आवश्यक — संस्थागत विश्वास, पारदर्शिता और सुशासन को सुदृढ़ करना होगा।
- जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं का तेजी से विस्तार और प्रगति जारी।

Srijan India One | PIB Today | 27th July 2026

1 PUBLIC EXAMINATIONS AMENDMENT BILL, 2026

- Strengthens Public Examinations Act.
- Targets organised cheating networks.
- Stricter investigation & prosecution.
- Ensures fairness & transparency in recruitment exams.
- Protects merit & equal opportunity.
- Covers UPSC, SSC, Banks, Railways, NTA examinations.

Value Addition: Upholds Article 14 & 16; aims to restore trust in India's examination system.

Keywords: Fairness, Integrity, Transparency, Accountability, Merit, Equal Opportunity

Cheating Networks Targeted → Stricter Law & Investigation → Fair Examinations Outcome

2 NATIONAL e-VIDHAN APPLICATION (NeVA)

- Digital platform for paperless legislatures.
- Enables e-notices, e-bills, e-questions.
- Committee management & real-time proceedings.
- More State/UT legislatures sign MoUs.
- Promotes transparency & efficient functioning.
- Part of Digital India initiative.

Value Addition: Strengthens democratic institutions through technology.

Keywords: e-Governance, Paperless, Legislature, Digital Democracy, NeVA

Legislative Business Digitised → Paperless Processing → Efficient & Transparent Legislatures

3 INDIA'S NATIONALLY DETERMINED CONTRIBUTIONS

- India submitted updated NDC under Paris Agreement.
- Reduce emissions intensity of GDP.
- 50% cumulative installed electricity from non-fossil sources.
- Create additional carbon sink of 2.5 to 3 billion tonnes.
- Achieve Net Zero by 2070.
- Aligns with Panchamrit Commitments.

Value Addition: India balances development with climate responsibility.

Keywords: NDCs, Paris Agreement, Net Zero 2070, Panchamrit, Climate Action

Emission Reduction Targets → Renewables & Carbon Sink Expansion → Net Zero by 2070

4 GRID STABILITY AND ENERGY STORAGE

- Renewable energy is intermittent by nature.
- Energy storage ensures grid stability.
- Technologies: BESS, Pumped Storage, Green Hydrogen, Thermal Storage.
- Helps in peak demand management.
- Supports energy transition & reduces fossil dependence.
- Critical for India's clean energy future.

Value Addition: Energy storage is key to reliable & round-the-clock clean power.

Keywords: BESS, Pumped Storage, Grid Stability, Renewable Energy, Energy Transition

Intermittent Renewables → Energy Storage Solutions → Stable & Reliable Power Supply

5 COAL GASIFICATION & CLEAN COAL TECHNOLOGIES

- Converts coal into syngas ($CO + H_2$).
- Products: Hydrogen, Methanol, Fertilisers, Chemicals.
- Better utilisation of domestic coal.
- Reduces import dependence.
- Cleaner than direct combustion.
- Challenges: Water intensive, high capital cost, emissions.

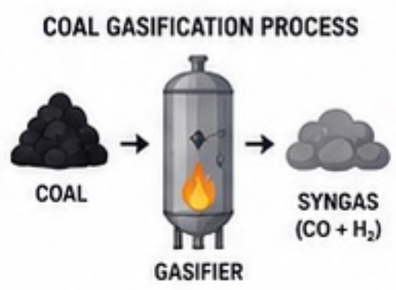

Value Addition: Transition technology for energy security & value addition.

Keywords: Coal Gasification, Syngas, Hydrogen, Methanol, Clean Coal

Coal → Gasification → Syngas → Products (Value Addition)

6 DIGITAL INDIA BHASHINI INITIATIVE

- AI-powered multilingual language platform.
- Enables real-time translation & speech recognition.
- Promotes local language governance.
- Enhances digital inclusion & accessibility.
- Workshop held for legislative governance.
- Supports Bharat's language diversity.

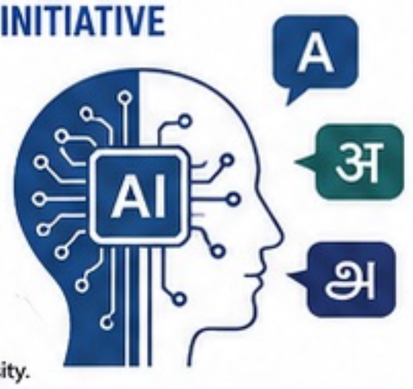

Value Addition: Strengthens Digital Public Infrastructure for inclusive India.

Keywords: BHASHINI, AI, NLP, Multilingual, Digital Governance, DPI

Language Technology AI → Real-time Translation & Inclusion → Accessible Digital Governance

7 PM e-VIDYA & DIGITAL LEARNING EXPANSION

- PM e-VIDYA promotes universal digital education.
- Components: DIKSHA, One Class One Channel, Digital textbooks.
- Ensures equitable & inclusive learning.
- Strengthens learning outcomes through digital tools.
- Addresses learning gaps.
- Complements classroom teaching.

Value Addition: Digital education for All – Access, Equity & Quality.

Keywords: PM e-VIDYA, DIKSHA, Digital Learning, Equity, Inclusion

Digital Resources → Accessible Learning Anywhere → Quality Education for All

8 PM SVANidhi & URBAN LIVELIHOODS

- Micro-credit scheme for street vendors.
- Collateral-free working capital loans.
- Encourages digital payments.
- Builds credit history.
- Enhances financial inclusion & livelihood security.
- Strengthens urban informal economy.

Value Addition: Empowering street vendors for Atmanirbhar Bharat.

Keywords: PM SVANidhi, Livelihoods, Financial Inclusion, Street Vendors, Micro-credit

Loan Support → Digital Payments → Credit History → Livelihood Empowerment

9 THE MAKING OF A SPORTING NATION

- Sports drive human development & national capacity.
- Initiatives: Khelo India, Fit India, TOPS, SAIs, NSU.
- Promotes grassroots participation.
- Boosts sports economy & jobs.
- Enhances soft power & national integration.
- Focus on infrastructure, coaching & sports science.

Value Addition: Sports build stronger, healthier & united India.

Keywords: Khelo India, TOPS, Sports Economy, Grassroots, SAG, NSU

Grassroots Development → Talent & Infrastructure → Global sporting excellence

OTHER IMPORTANT ONE-LINERS

- India's fight to combat Hepatitis – Awareness, screening & treatment under NVHCP.
- Quality of education strengthened through Central University Infrastructure & digital initiatives.
- Mines Ministry assumes charge of Sekri Keshav Chandra IAS as Secretary.
- Courts must be accountable amid democratic strain: Strengthening institutional trust & transparency.
- Jal Jeevan Mission expansion & rural water supply schemes progressing.

Srijan India One | Newspaper Today | 28 जुलाई 2025

1. Nilekani परीक्षा सुधार टास्क फोर्स के प्रमुख: मोदी

- PM ने परीक्षा सुधार हेतु उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की घोषणा की
- नंदन नीलेकणी इसके प्रमुख होंगे
- लक्ष्य: परीक्षा प्रणाली को लीक-प्रूफ और टेक्नोलॉजी-ड्रिवन बनाना
- सदस्य: एस. सोमनाथ, तपन डेका, वी. कामकोटी, अनिता करवाल, अमृत लाल मीणा
- तेज़ ट्रेक कोर्ट और कड़ा कानून लाने की भी पोषणा
- प्रहलाद जोशी ने शिक्षा मंत्री का प्रभार संभाला और समीक्षा बैठक की

शिक्षा सुधार • NTA • NEET • पारदर्शिता
GS II • शासन • संस्थाएँ • जवाबदेही

2. कानूनों के प्रकाशन की पद्धति का आधुनिकीकरण क्यों आवश्यक?

- वर्तमान प्रणाली खंडित, PDF-आधारित और निर्भरता पर आधारित
- आम नागरिक, वकील और अदालतों के लिए पहुँच कठिन
- पारदर्शिता, खोज़योग्यता और कानून के शासन में बाधा
- एक केंद्रीकृत, खोजयोग्य और मशीन-रीडेबल प्लेटफॉर्म की आवश्यकता
- अनुपालन में सहायता, वाद-विवाद कम होगी, शासन बेहतर होगा
- डिजिटल इंडिया तथा सुगम व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण

कानून का शासन • पारदर्शिता • ई-गवर्नेंस
GS II • नीति निर्माण • सुशासन • RTI

3. ब्रह्मपुत्र के बच्चों की घटती पहचान (स्पॉटलाइट)

- असम के नदी द्वीपों के लोग, उनके घर और पहचान संकट में
- कटाव, बाढ़ और जलवायु परिवर्तन मुख्य कारण
- भूमि अधिकार/दस्तावेज नहीं; सरकारी योजनाओं से वंचित
- शिक्षा, नागरिकता और आजीविका में गंभीर चुनोतियाँ
- सांस्कृतिक हानि और विस्थापन लगातार बढ़ रहा
- भूमि अधिकार, पुनर्वास और समावेशी नीतियों की आवश्यकता

जलवायु परिवर्तन • आपदा जोखिम • SDGs
GS I • भूगोल • GS II • कमजोर वर्ग

4. Gen Z ने राजनीतिक नैरेटिव को पुनर्परिभाषित किया

- पारंपरिक राजनीतिक संचार को चुनौती
- पारदर्शिता, समावेशन और जवाबदेही को महत्व
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जागरूकता और लामबंदी
- रोजगार, जलवायु, मानसिक स्वास्थ्य और समानता पर फोकस
- पहचान की राजनीति पर मुद्दा-आधारित चर्चा को बढ़ावा
- दलों को अनुकूलन और युवाओं से संवाद हेतु मजबूर किया

जनसांख्यिकीय लाभांश • डिजिटल इंडिया
GS III • सामाजिक न्याय • राजनीतिक प्रक्रिया

5. भारत की पहली डेंगू वैक्सीन: महत्वपूर्ण सुरक्षा सावधानी

- DCGI ने पहली स्वदेशी डेंगू वैक्सीन को मंजूरी दी
- आयु 2–59 वर्ष; तीन-डोज़ अनुसूची
- चारों सीरोटाइप के विरुद्ध सुरक्षा
- सावधानी: गंभीर एलर्जी वाले व्यक्तियों के लिए नहीं
- पोस्ट-मार्केटिंग निगरानी जारी रहेगी
- डेंगू बोझ से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

वेक्टर जनित रोग • टीकाकरण • विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
GS III • स्वास्थ्य • इम्यूनाइडेशन • सार्वजनिक स्वास्थ्य

6. चीन के सामने समर्पण नहीं, अमेरिका पर निर्भरता नहीं

- भारत को द्विध्रुवीय विश्व में रणनीतिक स्वायत्तता अपनानी चाहिए
- न तो चीन के समक्ष समर्पण, न ही अमेरिका पर निर्भरता
- यूरोप, जापन और ग्लोबल साउथ के साथ संतुलित और उद्देश्यपूर्ण संबंध
- ओवर-डिपेंडेंस से बचते हुए वैकल्पिक शक्ति-ढाँचा बनाना
- घरेलू क्षमताओं, प्रौद्योगिकी और गठबंधनों को मजबूत करना
- राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रखने की आवश्यकता

रणनीतिक स्वायत्तता • बहु-संरेखण
GS II • अंतर्राष्ट्रीय संबंध • कूटनीति • भारत एवं विश्व

7. भारतीय मानसून: एक लोकतांत्रिक टर्निंग प्वाइंट

- मानसून कृषि आय, रोजगार और कीमतों को निर्धारित करता है
- अनिश्चितता का सबसे अधिक प्रभाव गरीबों पर पड़ता है
- खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण मांग के लिए मानसून महत्वपूर्ण
- शहरी फ्लडिंग से कमजोर सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर उजागर
- जलवायु-लचीली और समावेशी योजना की आवश्यकता
- समानता + अनुकूलन = लोकतांत्रिक अनिवार्यता

जलवायु परिवर्तन • खाद्य सुरक्षा • SDG 13
GS III • पर्यावरण • कृषि • आपदा प्रबंधन

8. चीन की AI बढ़त क्यों मजबूत हो रही है?

- मज़बूत राज्य समर्थन और दीर्घकालिक दृष्टि
- विशाल डेटा, प्रतिभा और कम्प्यूटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर
- स्वदेशी चिप्स और फ्राउंडेशन मॉडलों पर फोकस
- उद्योग व शासन में एकीकृत अपनाना
- प्रतिस्पर्धी लागत और तेज़ तैनाती
- वैश्विक आउटरीच और टेक पार्टनरशिप

उभरती प्रौद्योगिकी • डिजिटल अर्थव्यवस्था
GS III • विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी • अर्थव्यवस्था

9. BitChat रिपॉजिटरी हटाने का निर्णय क्यों?

- BitChat गुमनाम और विकेन्द्रीकृत संचार सक्षम करता है
- सुरक्षा एजेंसियों को अवैध गतिविधियों में दुरूपयोग का भय
- रिपॉजिटरी GitHub जैसे प्लेटफॉर्म्स पर होस्ट थीं
- IT अधिनियम प्रावधानों के तहत पहुँच अवरूद्ध की गई
- नवाचार और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन आवश्यक
- स्पष्ट कानूनी ढाँचे की आवश्यकता

सायबर सुरक्षा • IT अधिनियम • गोपनीयता
GS III • आंतरिक सुरक्षा • प्रौद्योगिकी • शासन

क्विक न्यूज (9)

1. सरकार ने 'अस्थिर' ब्लैक सी में नौकरियों को लेकर नाविकों को चेताया
2. मीराबाई ने स्वर्ण, ऋषिकांत ने रजत जीतकर भारत का दिन बनाया
3. केरल वन विभाग ने मानव बस्तियों, खेतों में आने वाले हाथियों का मैपिंग किया
4. रक्षा उत्पादन में नई ऊँचाइयों पर बढ़ता भारत: प्रधानमंत्री
5. मुद्रास्फीति नियंत्रण RBI की सर्वोच्च प्राथमिकता: गवर्नर
6. PRAXIS: ग्रह रिंग्स का अध्ययन
7. बढ़ती छात्र आत्महत्याओं और शिक्षा की लागत पर ध्यान देने की ज़रूरत
8. शहरी भारत की वीकेंड अर्थव्यवस्था बड़ा अवसर
9. UN ने ओलंपस पर्वत और D-Day बीचों को विश्व धरोहर सूची में जोड़ा

प्रिलिम्स फैक्ट्स (9)

1. ब्रह्मपुत्र विश्व की सबसे बड़ी नदी तंत्रों (जल निकासी क्षेत्र) में से एक है।
2. - डेंगू एडीज़ एजिप्टी मच्छर द्वारा फैलता है।
3. IMD दक्षिण-पश्चिम मानसून का पूर्वानुमान जारी करता है।
4. NTA राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी सोसाइटी पंजीकृत है; यह सोसाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम के अंतर्गा।
5. BitChat मेश ब्लूटूथ नेटवर्के तकनीक पर कार्य करता है।
6. DCGI औषधि एवं कॉस्मेटिक्स अधिनियम, 1940 के अंतर्गत कार्य करता है।
7. GitHub कोड होस्टिंग प्लेटफॉर्म है।
8. UNESCO विश्व धरोहर कन्वेंशन, 1972 के अंतर्गत स्थल शामिल करता है।
9. RBI का कानूनी दायित्व: कीमत स्थिरता (मुद्रास्फीति नियंत्रण)।

शब्दावली (5)

1. समर्पण — किसी के नियंत्रण के अधीन हो जाना
2. स्वायत्तता — आत्मनिर्भरता एवं स्वतंत्र निर्णय
3. क्षरण — धीरे-धीरे नष्ट होना
4. पारदर्शिता — स्पष्टता व खुलापन
5. दुरूपयोग — गलत या अनुचित उपयोग

QUESTION

"The redrawal of national boundaries in the twentieth century reshaped the global political order but also created enduring geopolitical challenges." Critically examine.

HOW IT RESHAPED THE GLOBAL POLITICAL ORDER

1. **EMERGENCE OF NATION-STATES**
New countries emerged after World War I: Poland, Czechoslovakia, Yugoslavia, Finland, Baltic States (Estonia, Latvia, Lithuania).

2. **END OF COLONIAL EMPIRES**
Decolonisation after World War II led to independence of India, Pakistan, Indonesia, Ghana, Nigeria, Kenya and many others.

3. **COLLAPSE OF OLD EMPIRES**
German, Austro-Hungarian, Ottoman, Russian and later Soviet empires gave way to modern sovereign states.

4. **RISE OF INTERNATIONAL INSTITUTIONS**
Establishment of the United Nations (1945) promoted sovereign equality, collective security and peaceful dispute resolution.

5. **RECOGNITION OF SELF-DETERMINATION**
The principle of national self-determination became central to international politics and the legitimacy of statehood.

Resulted in the emergence of a new world order based on sovereignty, independence and international cooperation.

ENDURING GEOPOLITICAL CHALLENGES

1. **BORDER DISPUTES**
Many borders remain contested: India–Pakistan (J&K), India–China, Russia–Ukraine, Israel–Palestine, South China Sea disputes.

2. **ETHNIC & SECTARIAN CONFLICTS**
Artificial borders ignored ethnic, linguistic and tribal realities, leading to civil wars and separatist movements in Africa and West Asia.

3. **REFUGEE & HUMANITARIAN CRISES**
Partition of India (1947), Palestine (1948), Balkan conflicts (1990s) and West Asian wars caused massive displacement.

4. **COLD WAR DIVISIONS**
Ideological rivalry led to division of Germany, Korea and Vietnam, creating long-term tensions and proxy conflicts.

5. **RISE OF ETHNO-NATIONALISM**
Breakup of Yugoslavia and Soviet Union revived identity-based conflicts and challenged territorial integrity.

KEY EXAMPLES OF BOUNDARY REDRAWAL IN 20TH CENTURY

EUROPE AFTER WW I

- New states: Poland, Czechoslovakia, Yugoslavia, Finland, Baltic States.
- Germany lost territories; new boundaries in Eastern Europe.

EUROPE AFTER WW II

- Germany divided into East & West.
- Poland's border shifted westwards.
- Soviet Union expanded in Eastern Europe.

ASIA AFTER WW II

- Korea divided along 38th parallel.
- Loss of Japanese territories: Korea, Taiwan, Manchuria, Pacific Islands.

DECOLONISATION IN ASIA & AFRICA

- Independence of India (1947), Indonesia (1949), Ghana (1957), Nigeria (1960) and many others.

COLLAPSE OF SOVIET UNION (1991)

- 15 new independent states emerged: Russia, Ukraine, Kazakhstan, Uzbekistan, Armenia, Georgia etc.

MAJOR CAUSES OF REDRAWAL

WORLD WARS	WW I & II led to defeat of empires and new peace settlements.
PEACE TREATIES	Versailles, Saint-Germain, Trianon, Sèvres, Lausanne etc. redefined borders.
NATIONALISM	Rise of national consciousness and demand for self-determination.
DECOLONISATION	End of colonial rule in Asia and Africa after 1945.
COLLAPSE OF EMPIRES	Disintegration of Ottoman, Austro-Hungarian, German, Russian and Soviet empires.

IMPACT: POSITIVE VS NEGATIVE

POSITIVE OUTCOMES

- ✓ Emergence of sovereign independent states.
- ✓ End of colonial domination.
- ✓ Spread of democracy and national identity.
- ✓ Strengthening of international law and institutions.
- ✓ Greater emphasis on human rights and self-governance.

NEGATIVE OUTCOMES

- ✗ Arbitrary borders leading to disputes.
- ✗ Ethnic conflicts and separatist movements.
- ✗ Refugee crises and human suffering.
- ✗ Geopolitical rivalries and proxy wars.
- ✗ Threats to territorial integrity and stability.

CONTEMPORARY RELEVANCE

ONGOING CONFLICTS
Russia–Ukraine, Israel–Palestine, South China Sea, Indo-Pacific tensions.

BORDER DISPUTES
India–China, India–Pakistan, Armenia–Azerbaijan, Nagorno-Karabakh.

SEPARATIST MOVEMENTS
Kurdish issue, Catalonia, Scotland, Xinjiang, Taiwan, Kashmir.

STRATEGIC COMPETITION
Control over resources, trade routes and buffer zones continues.

CONCLUSION

"The redrawal of national boundaries in the twentieth century transformed the world from **empires to nation-states** and accelerated decolonisation. However, many borders were drawn without due regard to ethnic, cultural and historical realities, leaving behind disputes that continue to challenge peace and stability. Lasting harmony requires **inclusive governance, respect for international law** and **peaceful resolution** of territorial conflicts.

Srijan India One | Main ONE | Redrawal of National Boundaries

1. INTRODUCTION

Redrawal of National Boundaries refers to the creation, division, merger or alteration of political borders due to wars, treaties, revolutions, decolonisation, ethnic conflicts or geopolitical agreements.

The two World Wars profoundly reshaped the political map of Europe, Asia, Africa and the Middle East.

2. MAJOR CAUSES

WARS	First World War (1914–18) Second World War (1939–45)
PEACE TREATIES	Versailles (1919), Saint-Germain, Trianon, Sèvres, Lausanne etc.
NATIONALISM	Rise of self-determination movements and ethnic aspirations.
DECOLONISATION	Independence of Asian and African countries after 1945.
COLLAPSE OF EMPIRES	Ottoman, Austro-Hungarian, German, Russian Empires and Soviet Union (1991).

3. REDRAWAL AFTER WORLD WAR I (1914–18)

EMPIRES THAT COLLAPSED

- German Empire
- Austro-Hungarian Empire
- Ottoman Empire
- Russian Empire

NEW COUNTRIES CREATED

- Poland (Restored)
- Finland
- Estonia, Latvia, Lithuania
- Czechoslovakia
- Yugoslavia
- Austria, Hungary

TERRITORIAL CHANGES

- Germany lost Alsace-Lorraine (to France), Polish Corridor, Saar Basin, colonies.
- Italy gained South Tyrol, Trentino.
- Romania expanded – Transylvania.

EUROPE BEFORE 1914

→

EUROPE AFTER 1919

4. REDRAWAL AFTER WORLD WAR II (1939–45)

GERMANY
Divided into East Germany (USSR) and West Germany (USA, UK, France). Berlin divided into four sectors.

POLAND
Boundary shifted westwards. Lost eastern territories to USSR; gained German territories in the west.

SOVIET UNION EXPANDED
Annexed Baltic States, Eastern Poland, parts of Finland and Bessarabia.

JAPAN LOST
Korea, Taiwan, Manchuria and Pacific Islands.

KOREA DIVIDED
Along the 38th Parallel into North Korea and South Korea.

VIETNAM DIVIDED
Later divided into North Vietnam and South Vietnam.

DIVISION OF GERMANY (1945–1990)

KOREA DIVISION (1945)

5. DECOLONISATION & NEW BOUNDARIES

ASIA

India (1947) | Pakistan (1947) | Sri Lanka (1948) | Myanmar (1948) | Indonesia (1949)

AFRICA

Ghana (1957) | Nigeria (1960) | Kenya (1963) | Algeria (1962)

and many more...

Decolonisation ended colonial rule and led to emergence of many sovereign nation-states.

6. INDIA & PARTITION (1947)

CAUSES

- Two-Nation Theory
- Communal tensions
- Mountbatten Plan

OUTCOME

British India divided into India and Pakistan.

CONSEQUENCES

- Largest mass migration in history
- Communal violence
- Refugee crisis
- Kashmir dispute

PARTTION OF INDIA (1947)

7. MIDDLE EAST – NEW BOUNDARIES

After the collapse of the Ottoman Empire, new states emerged under the influence of Sykes–Picot Agreement (1916) and League of Nations Mandate System.

- Iraq
- Syria
- Lebanon
- Jordan
- Saudi Arabia

Modern boundaries often ignored ethnic and tribal realities, leading to future conflicts.

8. END OF COLD WAR (1991) – FURTHER REDRAWAL

DISSOLUTION OF SOVIET UNION (1991)

15 independent republics emerged including:

- Russia
- Ukraine
- Belarus
- Kazakhstan
- Uzbekistan
- Armenia
- Georgia

and others.

BREAK-UP OF YUGOSLAVIA (1990s)

New countries:

- Slovenia
- Croatia
- Bosnia & Herzegovina
- North Macedonia
- Serbia
- Montenegro
- Kosovo (partially recognised)

CZECHOSLOVAKIA (1993)

Peacefully divided into:

- Czech Republic
- Slovakia

Known as the Velvet Divorce.

9. PRINCIPLES BEHIND BOUNDARY REDRAWAL

SELF-DETERMINATION
Nations should choose their own political status.

BALANCE OF POWER
Prevent dominance by a single power.

STRATEGIC INTERESTS
Military and geopolitical considerations.

ETHNIC & CULTURAL IDENTITY
Borders based on language, religion or ethnicity (often imperfectly).

10. CONSEQUENCES OF REDRAWAL

POSITIVE

- Emergence of sovereign nation-states
- End of colonial rule
- Growth of democracy in many regions
- Rise of international organisations

NEGATIVE

- Border disputes
- Refugee crises
- Ethnic conflicts & civil wars
- Separatist movements
- Geopolitical instability

11. CONTEMPORARY RELEVANCE

- Russia–Ukraine conflict
- Israel–Palestine dispute
- South China Sea territorial claims
- Kosovo recognition issue
- India–China boundary dispute
- India–Pakistan dispute over Jammu & Kashmir

12. KEY TERMS

- Self-Determination
- Nation-State
- Sovereignty
- Decolonisation
- Partition
- Buffer State
- Mandate System
- Ethno-nationalism
- Geopolitics
- Territorial Integrity

13. FLOW OF EVENTS

World Wars → Collapse of Empires → Peace Treaties → Redrawal of Boundaries → New Nation-States

Decolonisation → United Nations → Cold War → Modern Geopolitical Conflicts

Srijan India One | Main ONE | World Wars

1. INTRODUCTION

- The First World War (1914–18) and Second World War (1939–45) were the two largest conflicts in history.
- They reshaped global politics, economies, societies and the future of nations.
- Key outcomes: End of empires, rise of ideologies, UN, Cold War and Decolonisation.

2. CAUSES OF FIRST WORLD WAR (1914)

MILITARISM	Arms race, naval competition (Britain vs Germany). Military central to foreign policy.
ALLIANCE SYSTEM	Triple Alliance (Germany, Austria-Hungary, Italy) vs Triple Entente (Britain, France, Russia).
IMPERIALISM	Competition for colonies, markets, raw materials. Crises in Morocco, African colonies, Middle East.
NATIONALISM	Pan-Slavism, German nationalism, French desire for Alsace-Lorraine, Serbian nationalism. Balkans: "Powder Keg of Europe".

IMMEDIATE CAUSE: 28 June 1914 – Assassination of Archduke Franz Ferdinand in Sarajevo by Gavrilo Princip.

Austria attacked Serbia → Alliance system pulled Europe into war.

3. MAJOR EVENTS – WORLD WAR I (1914–18)

- **1914** German invasion of Belgium; Battle of Marne
- **1915** Trench warfare begins; Gallipoli Campaign
- **1916** Battle of Verdun; Battle of Somme
- **1917** Russian Revolution; USA enters war
- **1918** Allied offensives; Germany surrenders (11 November 1918)

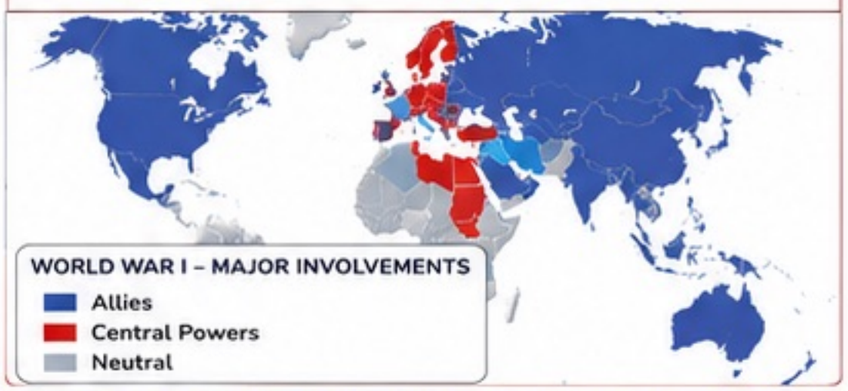

4. CONSEQUENCES OF WORLD WAR I

POLITICAL
- German, Ottoman, Austro-Hungarian and Russian Empires collapsed.
- New nations emerged in Europe.

ECONOMIC
- Heavy destruction, inflation, war debts.
- Economic decline of Europe.
- Rise of USA as world power.

SOCIAL
- Millions killed and injured.
- Women entered workforce.
- Rise of labour movements.

INTERNATIONAL
- Treaty of Versailles (1919): War Guilt Clause, reparations, territorial losses, army restrictions → deep resentment.
- League of Nations: Aimed for peace but failed due to lack of US support, no military force, weak enforcement.

5. WHY DID WORLD WAR II OCCUR?

Treaty of Versailles
Humiliation of Germany created anger and desire for revision.

Great Depression (1929)
Economic crisis, unemployment and instability favoured extremists.

Rise of Dictators
Hitler (Germany), Mussolini (Italy), Militarists (Japan).

Failure of League of Nations
Failed to stop aggression in Manchuria, Ethiopia, Rhineland, Austria etc.

Policy of Appeasement
Britain & France's policy of Appeasement. Munich Agreement (1938) encouraged Hitler's expansion.

IMMEDIATE CAUSE: 1 September 1939 – Germany invaded Poland. Britain & France declared war.

6. MAJOR EVENTS – WORLD WAR II (1939–45)

- **1939** Invasion of Poland; Blitzkrieg in Europe
- **1940** Fall of France; Battle of Britain
- **1941** Operation Barbarossa; Pearl Harbor
- **1942** Battle of Midway; Turning Point
- **1944** D-Day (Normandy Landings)
- **1945** Battle of Berlin; Hiroshima & Nagasaki; Japan surrendered (15 August 1945)

AXIS POWERS

Germany | Italy | Japan

ALLIED POWERS

Britain | France | USSR | USA | China

7. CONSEQUENCES OF WORLD WAR II

POLITICAL
- End of Fascism; Germany divided; Japan occupied; Emergence of USA & USSR superpowers.

ECONOMIC
- Marshall Plan; Reconstruction; Bretton Woods Institutions (IMF, World Bank).

INTERNATIONAL
- United Nations (1945): Peace, Security, Development, Human Rights.
- Cold War: World divided into USA-led capitalist bloc vs USSR-led communist bloc.
- Decolonisation: Asian & African nations demanded freedom. Empires collapsed.

TECHNOLOGICAL
- Advances in radar, jet aircraft, nuclear energy, computers, medicine.

SOCIAL
- Holocaust, refugee crisis, human rights movement, role of women.

8. IMPACT ON INDIA

DURING WORLD WAR I

POSITIVE
- Growth of industries
- Rise of Indian capitalists
- Home Rule Movement

NEGATIVE
- Inflation, heavy taxation
- Food shortages

POLITICAL EFFECTS
- Montagu Declaration (1917)
- Government of India Act (1919)
- Rowlatt Act, Jallianwala Bagh

Nationalism intensified.

DURING WORLD WAR II

MAJOR EVENTS
- August Offer (1940)
- Cripps Mission (1942)
- Quit India Movement (1942)
- INA & Naval Mutiny (1946)

★ Britain emerged economically weakened; Indian independence became inevitable.

9. COMPARISON: WORLD WAR I vs WORLD WAR II

Aspect	World War I (1914–18)	World War II (1939–45)
Trigger	Assassination in Sarajevo	Invasion of Poland
Major Cause	Alliance system & Imperialism	Fascism, Versailles, Depression
Duration	4 Years	6 Years
Death Toll	~16–20 Million	~70–85 Million
Key Feature	Trench Warfare	Blitzkrieg, Total War
Institution Created	League of Nations	United Nations
Long Term Outcome	Rise of Extremism	Cold War & Decolonisation

10. FLOW OF EVENTS

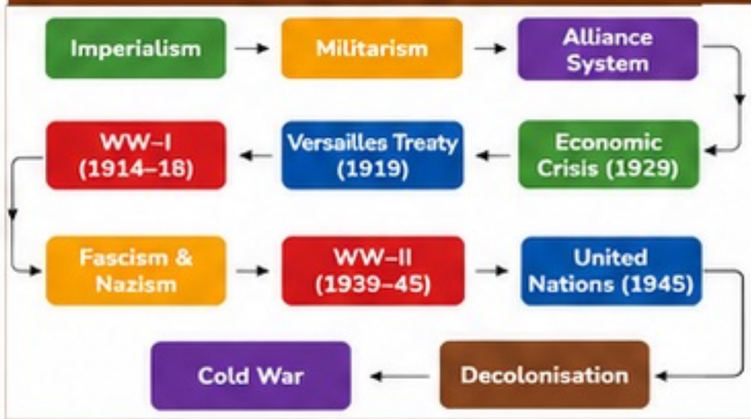

11. HISTORIANS' VIEWS

Eric Hobsbawm — 1914–1991 constituted the "Short Twentieth Century" dominated by wars, revolutions and ideologies.

A.J.P. Taylor — World War II resulted from diplomatic failures, miscalculations and the ambitions of dictators.

E.H. Carr — Failure of collective security and appeasement encouraged aggression and led to global conflict.